

91-3-18 कर्नाटक कापी उफरि म.म पूर्ण प्रकाशना
जारी मा- संकलन मेरी इतना लगी
मे दिनांक 11-4-18 को पेश हो।

11-4-18 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उत्पापक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 9-5-18
को पेश हो।

रीडर

16-5-18

जमान पत्रावली लोक अदालत के माफ
मे मुच मा पेश हुई। पत्रकारान उफरि को
राजीनामा पेश किया कद बरने राजीनामा
डिक्ली किया गया। निर्णय पृथक प्रशासित
किया गया। मे एल शुका लोक साहित्य रिक्त

बैच सदस्य
राजस्व लोक अदालत 2018

पीठासीन अधिकारी
राजस्व लोक अदालत

न्यायालय उपखंडाधिकारी किशनगढ़-बास {अलवर}
 राजस्व लोक अदालत न्याय आपके द्वार ग्राम पं. सु. जीलोता
 =====

पीठासीन अधिकारी :- श्री सुभाष यादव आर. ए. एस्.
 बैच तदस्य :- श्री कमलेश शर्मा सेवा निवृत्त
 तहसीलदार

दावा संख्या	प्रवेश तिथि	निर्णय तिथि
28	15-2-17	16-5-18
	उनवान	

- 1- गंगूमल पुत्र कुन्दनमल जाति खत्री निवासी ग्राम श्यामाका तहसील किशनगढ़-बास जिला अलवर :- वादी बनाम
- 1- मोहनमल पुत्र कुन्दनमल जाति खत्री निवासी ग्राम श्यामाका तहसील किशनगढ़-बास जिला अलवर :- असल प्रतिवादी
- 2- भागूमल पुत्र कुन्दनमल जाति खत्री निवासी ग्राम श्यामाका
- 3- राज. सरकार जरिये तहसीलदार किशनगढ़-बास :- तर. प्रति.

दावा अन्तर्गत धारा 88, 89, 188 आर. टी. एक्ट.
 =====

::निर्णय::

आज पत्रावली राजस्व लोक अदालत न्याय आपके द्वारा में ग्राम पं. सु. पर पेश हुई। पक्षकारान उपस्थित। अधिकारियान व ग्राम वास्तियान द्वारा पक्षकारान को समझाया गया। बाद समझाईत पक्षकारान ने राजीनामा लिखित में पेश कर वाद को बरूवे राजीनामा डिफ्री किये जाने की प्रार्थना की।

वादी ने वाद पेश किया कि मेरे पिता के नाम कुल 8वींघा उचित्वा खातेदारी की आराजी थी। पिता के फौत होने पर विरासत का इन्तकाल संख्या 214 दर्ज जो मंजूर हो गया। परन्तु उक्त इन्तकाल का अमल करते समय वादी के प्रति. नं. 1, 2 के नाम का अमल करदिया वादी के नाम का अमल नहीं किया गया। इसलिये वादी पैतृक आराजी में आयेहिस्तेनुसार वादी को आराजी दिलाई जावे।

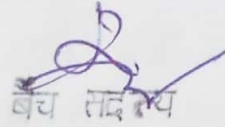
पक्षकारान ने राजीनामा में यह तथ्य त्वीकार किया कि आ. ख. नं. 19/0.68 में खातेदार मोहनमल, गंगूमल, भागूमल पुत्रान कुन्दनमल के नाम दर्ज है। उक्त ख. नं. 19 को समस्त भाईयों का हिस्सा मोहनमल के हक में डिफ्री किया जावे तथा ख. नं. 399/0.57 जो मुताबिक जमाबन्दी मोहनमल के नाम दर्ज है। वह वादी गंगूमल के नाम डिफ्री किया जावे।

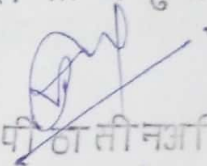
चूंकि पक्षकारान ने राजीनामा कर लिया है इसलिये वाद लोक अदालत की भावना से डिफ्री किया जाना उचित प्रतीत होता है।

॥ 2 ॥

अतः आदेश है कि :-

वाद वादी लोक अदालत की भावना से बरूवे राजीनामा डिफ्री किया जाकर आ. उ. नं. 399/0.57 वाके ग्राम श्यामाका वादी गंगूमल की कब्जे काशत खातेदारी में रहेगा तथा आ. उ. नं. 19/0.68 वाके ग्राम श्यामाका अकेले प्रति. नं. 1 मोहनमल की कब्जे काशत खातेदारी में रहेगा। तदानुसार ही इन्हें खातेदार काशतकार घोषित किया जाता है। उक्तानुसार ही राजस्व रिकार्ड में अमल दरासद किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। उर्दा वाद फरीकैन अपना अपना वहन करेंगे। पचा-डिक्री जारी हो। पत्रावली पैसल शुमार होकर दाखिल लेख भण्डार हो। निर्णय लोक अदालत में सुनाया गया।


बैच सदस्य


पीठातीनअधिकारी
राजस्व लोक अदालत

आयालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ-बास जिला अलवर (राज0)

पीठासीन अधिकारी :- श्री सुभाष यादव आर.ए.एस. किशनगढबास

मुकदमा नं.

28

प्रवेश तिथि

15.2.18

निर्णय तिथि

16.5.18

उनवान

1. गंगूमल पुत्र कुन्दनमल जाति खत्री निवासी ग्राम श्यामाका तहसील किशनगढबास जिला अलवर।

:- वादी:-

बनाम

1. मोहनलाल पुत्र कुन्दनमल जाति खत्री निवासी ग्राम श्यामाका तहसील किशनगढबास जिला अलवर
2. भागूमल पुत्र कुन्दनमल जाति खत्री निवासी ग्राम श्यामाका
3. राज0 सरकार जरिये तहसीलदार किशनगढबास अलवर

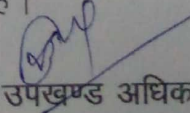
:- असल प्रतिवादीगण:-

:- तरप्रतिवादी:-

(दावा अन्तर्गत धारा 88,89,188 आर0टी0एक्ट)

पर्चा डिक्री

वाद वादी लोक अदालत की भावना से बरूवे राजीनामा डिक्री किया जाकर 399/0.057 वाके ग्राम श्यामाका वादी गंगूमल की कब्जे काश्त खातेदारी में रहेगा तथा आ0ख0न0 19/0.68 वाके ग्राम श्यामाका अकेले प्रति0 नं0 1 मोहनलाल की कब्जे काश्त खातेदारी में रहेगा। तदानुसार ही इन्हे खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। उक्तानुसार ही राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किये जाने के आदेश दिये जाते हैं।


उपखण्ड अधिकारी
किशनगढबास(अलवर)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर,
(पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/केम्प कोर्ट)
केम्प कोर्ट का स्थान :-

राजीनामा प्रपत्र

सेवाने

श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय,

विशालगठ कार्य

दिनांक 16/05/10

गंगूरमल

बनाम

मोहनमल

प्रकरण संख्या

28/11

अन्तर्गत घास

88, 89-100

महोदय,

उपर्युक्त प्रकरण में प्रार्थी/वादी श्री गंगूरमल का निवेदन है, कि उक्त उनवान का प्रकरण आपके न्यायालय में लम्बित है। उक्त प्रकरण में हम पक्षकारों के बीच सुलह हो चुकी है एवं अब हमारे बीच कोई विवाद नहीं रहा है। हम पक्षकारों के बीच सम्बन्ध अच्छे हो चुके हैं। हमारा आपसी राजीनामा निम्नानुसार तय हुआ है :-

हम इस प्रकार उभयपक्षकारों से राजीनामा ले निस्तारित किया गया कि भा.ब.नं. 19 संख्या 0/60 में वाददार मोहनमल गंगूरमल गंगूरमल गंगूरमल के नाम पर है। उक्त भा.ब.नं. 19 को सम्मिलित भा.ब.नं. 0/54 एवं जो भुता. 0/भा.ब.नं. मोहनमल के नाम पर है। वह वादी गंगूरमल के नाम पर है।

अतः प्रार्थी/वादी का निवेदन है, कि हमारा राजीनामा तस्दीक कर मुकदमे का निस्तारण करने की कृपा करें।

वादी पक्ष 1.

प्रतिवादी पक्ष 1.

2.

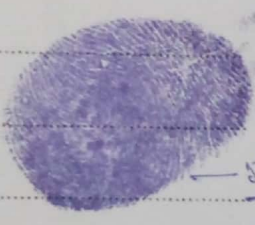
2.

3.

3.

4.

4.



गंगूरमल
पहचानकर्ता
सहचर

मोहन

मोहनमल

हचानकर्ता के हस्ताक्षर श्रीकेश प्रसन्न

पहचानकर्ता के हस्ताक्षर

वादी पक्ष)

नाम

श्रीकेश प्रसन्न
पहचानकर्ता
16/5/10

(प्रतिवादी पक्ष) नाम

मोहनमल
पहचानकर्ता

प्रार्थी/वादी

एव अप्रार्थी/ प्रतिवादी

द्वारा सम्मिलित रूप से राजीनामा पेश किया गया है। राजीनामे की इबारत को सुन व रमझ कर सहो कर लिया गया। अतः राजीनामा हस्तस्वीकृत पक्षकार तस्दीक किया जाता है। राजीनामा शामिल भिस्तल है।

80 सदस्य)

(80 सदस्य)

(80 सदस्य)

(80 सदस्य)

(80 सदस्य)

वैव सदस्य
राजस्व लोक अदालत 2010

पीठासीन अधिकारी
राजस्व लोक अदालत 2010
पीठासीन अधिकारी